S-342

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-505

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. होराशास्त्र के इतिहास का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

2. मानव जीवन की समस्याओं के निराकरण में होराशास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

3. प्राचीन सिद्धान्तानुसार सौर परिवार का वर्णन कीजिए।

4. ज्योतिषशास्त्र छात्र के शैक्षणिक क्षेत्र में आने वाली समस्याओं का निराकरण कैसे करता है? वर्णन कीजिए।

5. पाश्चात्य मतानुसार सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. जन्मांग के आधार पर नेत्र, कान एवं मुख रोग के योगों का प्रतिपादन कीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार काल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

3. दिक् साधन विधि का प्रतिपादन कीजिए।

4. जातक के रोग निदान में ज्योतिषशास्त्र की भूमिका का प्रतिपादन कीजिए।

5. भारतीय ज्योतिषशास्त्र के अनुसार प्रलय सिद्धान्त को लिखिए।

6. प्राचीन मतानुसार पृथ्वी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. सूर्यादि ग्रहों का पृथ्वी से दूरी, उपग्रह, परिभ्रमणादि मानों को पाश्चात्य मतानुसार लिखिए।

8. भारतीय ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सौरमान एवं चान्द्रमान को स्पष्ट कीजिए।